।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fortnightly

बात हिन्दुस्तान की

BAAT HINDUSTAN KI

RNI No.: WBHIN/2021/84049

विक्रम संवत 2083, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वितीया, 16-30 जून 2026 (16-30 JUNE 2026), वर्ष -6 (YEAR-6), अंक - 04, पृष्ठ - 4, मूल्य - ₹2, (PRICE: 2/-)

हुगली नदी के नीचे बनेगी देश की पहली मालवाहक सड़क सुरंग

अजय कुमार झा: हुगली नदी के नीचे मेट्रो रेल संचालन के बाद अब कोलकाता एक और ऐतिहासिक बुनियादी ढांचा परियोजना की ओर बढ़ रहा है। शहर में देश की पहली मालवाहक सड़क सुरंग के निर्माण की तैयारी शुरू हो गई है। करीब 11 हजार करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना का उद्देश्य कोलकाता बंदरगाह को राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क से सीधे जोड़ना और माल परिवहन को अधिक तेज एवं सुगम बनाना है। सूत्रों के अनुसार, हाल ही में राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री और केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक में परियोजना को हरी झंडी मिलने के बाद इसकी प्रक्रिया तेज कर दी गई है। परियोजना का विकास कोलकाता पोर्ट अथॉरिटी और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के संयुक्त प्रयास से किया जाएगा। योजना के तहत कुल 15.7 किलोमीटर लंबा सड़क संपर्क मार्ग विकसित किया जाएगा। इसमें हुगली नदी के नीचे लगभग 8.5 किलोमीटर लंबी जुड़वां ट्यूब सुरंग का निर्माण प्रस्तावित है। यह सुरंग नदी तल से करीब 38 मीटर नीचे बनाई जाएगी और अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित होगी।

बंदरगाह तक मालवाहक वाहनों की निर्बाध आवाजाही

इस परियोजना का प्रमुख उद्देश्य कोलकाता बंदरगाह आने-जाने वाले मालवाहक वाहनों की आवाजाही को सुचारु बनाना है। वर्तमान में बंदरगाह क्षेत्र में ट्रकों को लंबे समय तक जाम और प्रतीक्षा की समस्या का सामना करना पड़ता है। सुरंग के निर्माण के बाद चौबीसों घंटे निर्बाध आवागमन संभव होगा, जिससे माल ढुलाई की गति बढ़ेगी और परिवहन लागत में कमी आएगी।

कोलकाता और हावड़ा को जोड़ेगी नई सुरंग

परियोजना के तहत कोलकाता की ओर दो टैप विकसित किए जाएंगे। पहला टैप एनएसडी के गेट संख्या-8 और गाइडरीच शिपबिल्डर्स क्षेत्र के निकट बनाया जाएगा, जबकि दूसरा तारातला रोड के मिर्जिटा बाजार इलाके से जुड़ेगा। दूसरी ओर, सुरंग हावड़ा जिले के सांकराइल स्टेशन के पास जमीन के ऊपर आएगी। यहां से राष्ट्रीय राजमार्ग-16 तक सीधा संपर्क स्थापित किया जाएगा, जिससे बंदरगाह और राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के बीच तेज एवं प्रभावी कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी।

10 हजार ट्रकों की क्षमता वाला पार्किंग हब

परियोजना के तहत हावड़ा छोर पर टोल प्लाजा के समीप दो विशाल ट्रक पार्किंग हब भी विकसित किए जाएंगे। इन पार्किंग क्षेत्रों में लगभग 10 हजार ट्रक और अन्य मालवाहक वाहन एक साथ खड़े किए जा सकेंगे। इससे बंदरगाह क्षेत्र में यातायात का दबाव कम होगा और लॉजिस्टिक्स संचालन अधिक व्यवस्थित एवं दक्ष बन सकेगा।

पूर्वी भारत के व्यापार को मिलेगी नई गति

विशेषज्ञों का मानना है कि इस सुरंग के चालू होने से हावड़ा ब्रिज, विद्यासागर सेतु और अन्य प्रमुख मार्गों पर यातायात का दबाव काफी हद तक कम होगा। साथ ही कोलकाता बंदरगाह की माल परिवहन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उद्योग एवं व्यापार जगत भी इस परियोजना को पूर्वी भारत के लिए गेमचेंजर मान रहा है। उनका कहना है कि इससे लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी, निवेश को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। यह परियोजना पूर्वी भारत के औद्योगिक और व्यापारिक विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

ऐतिहासिक हावड़ा ब्रिज पर योगासन को लेकर चर्चा तेज मंत्री उमेश राय के नेतृत्व में लोगों ने किया योग

सोनी कुमारी झा: अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सोमवार सुबह ऐतिहासिक हावड़ा ब्रिज के फुटपाथ पर आयोजित योग कार्यक्रम चर्चा का विषय बन गया। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री उमेश राय और संजय सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोगों ने योगासन किया और योग के महत्व का संदेश दिया।

योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लोगों को नियमित रूप से योग अपनाने की अपील की।

हालांकि, इस कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक हलकों में भी चर्चा शुरू हो गई है। एक ओर राज्य सरकार की ओर से सार्वजनिक स्थानों और फुटपाथों पर अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख की बात कही जाती रही है, वहीं ऐतिहासिक हावड़ा ब्रिज के फुटपाथ पर योग कार्यक्रम आयोजित किए जाने को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए हावड़ा जिला भाजपा के सचिव ओम प्रकाश सिंह ने कार्यक्रम का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक हावड़ा ब्रिज पर योग का आयोजन लोगों के बीच सकारात्मक संदेश पहुंचाएगा और उन्हें

योग के प्रति अधिक आकर्षित करेगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली के लिए योग बेहद आवश्यक है और इस तरह के कार्यक्रम लोगों को प्रेरित करते हैं।

ओम प्रकाश सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि जिस समय योग कार्यक्रम आयोजित किया गया, उस दौरान हावड़ा ब्रिज पर लोगों की आवाजाही अपेक्षाकृत कम थी। उन्होंने कहा कि यह कोई नियमित आयोजन नहीं, बल्कि एक विशेष अवसर पर आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम था, इसलिए इससे आम लोगों की आवाजाही पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा। ऐतिहासिक हावड़ा ब्रिज पर आयोजित इस योग कार्यक्रम की तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बने हुए हैं, जहां लोग इसे स्वास्थ्य जागरूकता से जोड़कर देख रहे हैं।

1 सितंबर से सड़क पर कूड़ा फेंकने पर होगी सजा: अग्निमित्रा पाल

राज्य सरकार 1 सितंबर से शहर की सड़कों पर कहीं भी कूड़ा-कचरा और प्लास्टिक फेंकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने जा रही है। यह जानकारी राज्य के नगर एवं शहरी विकास विभाग की मंत्री Agnimitra Paul ने बुधवार सुबह शिवपुर रामकृष्णपुर घाट पर आयोजित स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में दीनबंधु ने कहा कि 15 जून से 20 जून तक छह दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सड़कों, पार्कों, नदी किनारों तथा सार्वजनिक स्थानों की सफाई आम लोगों की भागीदारी से की जा रही है।उन्होंने बताया कि 20 जून को Narendra Modi के शहर आगमन तथा 21 जून को मनाए जाने वाले International Day of Yoga को ध्यान में रखते हुए शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। अग्निमित्रा पाल ने कहा कि हावड़ा नगर निगम में लंबे समय से चुनाव नहीं हुए हैं, इसलिए स्थानीय विधायक विभिन्न विकास कार्यों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में प्रशासकों की नियुक्ति भी की गई है।उन्होंने बताया कि मानसून के दौरान जलभराव की समस्या से निपटने के लिए छोटे-बड़े नालों और ग्रालों की सफाई एवं मरम्मत का कार्य चल रहा है। साथ ही, सड़क किनारे लगे लैम्पपोस्टों से बिजली का झटका लगने की घटनाओं को रोकने के लिए भी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।मंत्री ने नागरिकों से शहर को साफ-सुथरा रखने और स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहयोग करने की अपील की। सभी जब उससे पूछा गया की जलकल्याण डिविजन से लौटे के दौरान बीते कल हावड़ा के चक्फर में एक वृद्ध महिला की मौत हो गई इस पर उन्होंने कहा कि यह काफी दर्दनाक घटना है लेकिन समझ नहीं पा रहे हैं यह कार्यक्रम में अलनुपमा योजना के लिए चालू है यहां पर लोग विधवा पेंशन के साथ और भी कई सारी योजनाओं के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है लेकिन इसके लिए अलग-अलग बेंट लगाए जाएंगे लोगों को संयम रखने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि मैं प्रशासन से समुचित पेयजल पंपो की व्यवस्था करने के लिए कहूंगा ताकि लोगों को और सुविधा न हो।

नवनिर्मित हनुमान मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

हावड़ा शालीमार स्टेशन 2 नंबर गेट के निकट स्थित नवनिर्मित हनुमान मंदिर में दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत हनुमान जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह और श्रद्धा का माहौल है तथा बड़ी संख्या में भक्त मंदिर परिसर में पहुंचे हैं।गौरतलब है कि घिरण मोड़ का प्रथम हनुमान मंदिर रेलवे प्रशासन द्वारा जारी हटाने के निर्देश के बाद चर्चा में आया था। स्थानीय लोगों के विरोध और धार्मिक आस्था को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने मंदिर को शालीमार के दो नंबर गेट के निकट स्थानांतरित करने का निर्णय लिया। इसके लिए एक भव्य नए मंदिर का निर्माण कराया गया, जिसे बाद में रेलवे प्रशासन ने हनुमान मंदिर हेपलभर्नट ट्रस्ट को सौंप दिया। दो दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां गंगा से गंगाजल लेकर कलश यात्रा में शामिल

हुए। यह यात्रा विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए नवनिर्मित मंदिर परिसर पहुंची। इसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना और अध्यात्म कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गई। इसके साथ ही श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया। हनुमान मंदिर हेपलभर्नट ट्रस्ट की ओर से नगरवासियों को इस धार्मिक आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। जहां काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए पूरा इलाका भक्ति मय माहौल से गूंज उठा।

मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिल रही है। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं।

नवान्न सभागार भगवा रंग में सजा, राज्य सचिवालय के पास नया स्वरूप आकर्षण का केंद्र

कोलकाता: राज्य के मुख्य प्रशासनिक भवन नवान्न के ठीक बगल में स्थित नवानी सभागार अब पूरी तरह भगवा रंग में नजर आ रहा है। भवन को भगवा रंग से रंगकर उसका नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है।

नए रंग-रूप में तैयार सभागार टूट से ही लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। राज्य सचिवालय परिसर के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में पहचाने जाने वाले इस सभागार का बदला हुआ स्वरूप चर्चा का विषय बना हुआ है। स्थानीय लोगों और राहगीरों के बीच भी भवन के नए रंग को लेकर उत्सुकता देखी जा रही है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, सभागार को नए स्वरूप में तैयार करने का कार्य हाल ही में पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद से भवन पूरी तरह भगवा रंग में दिखाई

दे रहा है। नवान्न सभागार में समय-समय पर विभिन्न सरकारी कार्यक्रम, बैठकें और प्रशासनिक आयोजन आयोजित किए जाते हैं। ऐसे में इसके नए स्वरूप को लेकर लोगों के बीच विशेष रुचि देखी जा रही है। आम तौ पहले यह सफेद और नीले रंग में देखा जाता था जो अब पूरी तरह से भगवा रंग में तब्दील हो चुका है।

पहाड़ियों को उनके विकास का उचित हिस्सा और उनकी आकांक्षाओं को पूरा किया जाए: सीएम सुवेन्दु

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने पद ग्रहण करने के बाद दार्जिलिंग पहाड़ियों की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर कुर्सोंग का दौरा किया। मोटरेबिलिटी गाइड में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए श्री अधिकारी ने लंबे समय से लंबित क्षेत्रीय चुनौतियों को संबोधित करने और क्षेत्र के विकास के लिए नए अवसरों को खोलने के उद्देश्य से एक व्यापक रोडमैप पर प्रकाश डाला। उन्होंने क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, आजीविका, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार के लिए ठोस योजनाओं का भी खुलासा किया। उन्होंने कलिम्पोंग में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने की प्रतिबद्धता दोहराई, जिसमें इगरा में पहले से ही पहचान की गई भूमि है, साथ ही कुर्सोंग, दार्जिलिंग और कलिम्पोंग क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया। मुख्यमंत्री ने शिक्षा और खेल के बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने की घोषणा की, जिसमें बेहतर स्कूलों, डिजिटल कक्षाओं, लड़कियों के छात्रावासों और स्थानीय प्रतिभाओं के पोषण के लिए सुविधाएं शामिल हैं। रोजगार सृजन और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि 1 जुलाई 2026 से विकसित भारत ग्रामीण रोजगार योजना (जी-राम जी) शुरू की जाएगी, जो ग्रामीण विकास परियोजनाओं के माध्यम से सालाना 125 दिनों का वेतन रोजगार प्रदान करेगी। उन्होंने बेहतर सड़क संपर्क, आपदा शमन और प्रबंधन, पर्यटन बढ़ावा, आपदा तैयारी, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण और युवा केंद्रित पहलों सहित प्रमुख विकास प्राथमिकताओं को भी लोगों के समक्ष रखा। साथ ही उन्होंने पूर्वी सीमांत राइफल्स और पश्चिम बंगाल पुलिस में 1000 से अधिक गोरखा युवाओं की भर्ती की घोषणा की, इस प्रकार डीएफआर पुनरुद्धार सुनिश्चित किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री चाय श्रमिक प्रोत्साहन योजना का कार्यान्वयन तृणमूल सरकार ने रोक दिया गया था। आज मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार पीएमसीएसपीवाई फंड का उपयोग चाय उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए करेगी, जिसमें क्षेत्र के 25 चाय बागान भी शामिल हैं जो बंद हो चुके हैं। तृणमूल सरकार में कूटता के कारण शहीद हुए कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि भाजपा सरकार प्रत्येक शहीद परिवार के एक सदस्य को रोजगार देगी और उन्हें 5 लाख रुपये मुआवजा देगी। वहीं मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के लिए विकास परियोजनाओं के तेजी से कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार के साथ नजदीकी समन्वय का आश्वासन दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेगी कि पहाड़ियों को उनके विकास का उचित हिस्सा मिले और उनकी आकांक्षाओं को पूरा किया जाए। दार्जिलिंग पहाड़ियों, तराई और डुआर्स के लोगों की ओर से, सांसद राजू बिष्ट ने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी द्वारा कल्पना की गई समावेशी विकास के दृष्टिकोण की सराहना की और जमीन पर उनके दृष्टिकोण को साकार करने के लिए अपना पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

ठाढ़ी परमेश्वरी शक्तिपीठ मंदिर में पहली बार चोरी, ग्रामीणों में भारी आक्रोश

बिहार: मिथिलांचल के झंझारपुर अनुमंडल अंतर्गत अंधरठाढ़ी प्रखंड स्थित प्रसिद्ध ठाढ़ी परमेश्वरी शक्तिपीठ मंदिर में बीती रात पहली बार चोरी की घटना सामने आई है। इस ऐतिहासिक मंदिर में हुई चोरी से क्षेत्र के श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, चोरों ने रात के समय मंदिर के मुख्य द्वार पर लगे ताले को काटकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद मंदिर में रखे मां ठाढ़ी परमेश्वरी के स्वर्ण एवं रजत आभूषणों सहित अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर फरार हो गए। चोरों ने मंदिर के भीतर रखी अलमारी को भी तोड़ दिया। घटना के बाद मां भगवती की चुनरियां इधर-उधर बिखरी हुई मिलीं। प्रतिदिन की भांति सुबह पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे पुजारी अशोक झा ने जब मंदिर का मुख्य द्वार खुला और ताला कटा हुआ देखा तो उन्हें चोरी की आशंका हुई। अंदर जाकर देखने पर अलमारी टूटी हुई मिली और उसमें रखे आभूषण व अन्य सामान गायब थे। इसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस प्रशासन तथा स्थानीय ग्रामीणों को घटना की सूचना दी। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु मंदिर परिसर में एकत्र हो गए। लोगों ने इसे घटना की कड़ी निंदा करते हुए अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि रात के समय पुलिस गश्त प्रभावी रूप से नहीं होने के कारण चोरों के हौसले बुलंद हैं और इसी का परिणाम यह गंभीर घटना है। ग्रामीणों ने कहा कि उनकी जानकारी में इस मंदिर में पहले कभी चोरी की घटना नहीं हुई थी। ऐसे में धार्मिक आस्था के केंद्र पर हुई इस वारदात ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सांकराइल में अमूल की मेगा परियोजना शिलान्यास के लिए आ सकते हैं अमित शाह

सौरव कुमार झा: हावड़ा के सांकराइल में अमूल का एक विशाल डेयरी प्रोसेसिंग प्लांट स्थापित होने जा रहा है। गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (GCMMF) की इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूरा होने पर इसे दुनिया के सबसे बड़े दही, लस्सी और छाछ उत्पादन केंद्रों में से एक माना जा रहा है।

यह कारखाना सांकराइल फूड पार्क में बनाया जाएगा। परियोजना को लेकर क्षेत्र के युवाओं में उत्साह देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि प्लांट के शुरू होने के बाद प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

सूत्रों के अनुसार, आगामी दिनों में आयोजित शिलान्यास समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री शामिल हो सकते हैं। कार्यक्रम

को लेकर परियोजना स्थल पर बाउंड्री निर्माण, सड़क निर्माण तथा अन्य बुनियादी तैयारियां युद्धस्तर पर जारी हैं। पांचला के भाजपा नेता रंजन पाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में औद्योगीकरण का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है और आने वाले समय में राज्य में और भी बड़े निवेश देखने को मिलेंगे। वहीं, स्थानीय निवासी मिलन बारोई तथा श्यामपुर निवासी सुबेंदु ने इस परियोजना से रोजगार और क्षेत्र के समग्र विकास की उम्मीद जताई है।

उद्योग जगत के जानकारों का मानना है कि सांकराइल की यह मेगा परियोजना केवल दुग्ध उद्योग को ही नहीं, बल्कि हावड़ा और आसपास के क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था तथा रोजगार के अवसरों को भी नई गति देगी।

नोएडा एयरपोर्ट शुरू होते ही आईजीआई हवाई अड्डे पर घटेगा दबाव, 23% तक यात्री हो सकते हैं शिफ्ट

एजेंसी

नोएडा। ट्रैवलर्स की ओर से कराए गए एक हालिया सर्वे के अनुसार, क्षेत्र के 8 प्रतिशत हवाई यात्री नोएडा एयरपोर्ट शुरू होते ही वहां से यात्रा करना पसंद करेंगे। वहीं 15 प्रतिशत यात्रियों ने कहा कि वे एयरपोर्ट की सुविधाओं और कनेक्टिविटी का आकलन करने के बाद वहां से उड़ान भरने पर निर्णय लेंगे। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से सोमवार से व्यावसायिक उड़ानों की शुरूआत के साथ दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर यात्रियों का दबाव कम होने की उम्मीद है। दिल्ली-एनसीआर ट्रैवलर्स की ओर से कराए गए एक हालिया सर्वे के अनुसार, क्षेत्र के 8 प्रतिशत हवाई यात्री नोएडा एयरपोर्ट शुरू होते ही वहां से यात्रा करना पसंद करेंगे। वहीं 15 प्रतिशत यात्रियों ने कहा कि वे एयरपोर्ट की सुविधाओं और कनेक्टिविटी का आकलन करने के बाद वहां से उड़ान भरने पर निर्णय लेंगे। सर्वे के मुताबिक, आईजीआई एयरपोर्ट पर बढ़ती भीड़ और दिल्ली के ट्रैफिक से बचने के लिए कई यात्री नोएडा एयरपोर्ट को बेहतर विकल्प मान रहे हैं। जिन 8 प्रतिशत यात्रियों ने तुरंत शिफ्ट होने की बात कही है, उनका मानना है कि नए एयरपोर्ट से यात्रा अधिक सुविधाजनक और समय बचाने वाली हो सकती है। वहीं, 15 प्रतिशत यात्री अभी इंतजार करो और देखो की स्थिति में हैं। इन यात्रियों का कहना है कि वे सड़क और मेट्रो से जुड़ाव, उड़ान विकल्पों, पार्किंग व्यवस्था और चेक-इन प्रक्रिया का अनुभव देखने के बाद ही अंतिम निर्णय लेंगे। यदि सुविधाएं अपेक्षा के अनुरूप रहीं तो ये यात्री भी नोएडा एयरपोर्ट का रुख कर सकते हैं। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, फेज-1 के संचालन के बाद दिल्ली-एनसीआर के कुल यात्री आधार का लगभग 23 प्रतिशत हिस्सा नोएडा एयरपोर्ट की ओर शिफ्ट हो सकता है। इससे देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल आईजीआई एयरपोर्ट पर दबाव कम होने की संभावना है।

यात्रियों ने नोएडा एयरपोर्ट को चुनने के पीछे तीन प्रमुख कारण बताए हैं। इनमें आईजीआई की तुलना में कम ट्रैफिक और कम भीड़, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दक्षिण दिल्ली के यात्रियों के लिए बेहतर पहुंच तथा आधुनिक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं की उम्मीद शामिल हैं। एविएशन विशेषज्ञों का मानना है कि यदि नोएडा एयरपोर्ट की सड़क, मेट्रो और अन्य परिवहन व्यवस्था मजबूत रही तथा पर्याप्त उड़ानों के विकल्प उपलब्ध हुए, तो अगले दो से तीन वर्षों में यह दिल्ली-एनसीआर का दूसरा प्रमुख विमानन केंद्र बन सकता है।

मुनाफे का लालच देकर कारोबारी से 34 लाख ऐंठे

एजेंसी

नोएडा। साइबर अपराधियों ने खुद को निवेश सलाहकार बताकर ऑनलाइन ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर सेक्टर-16 निवासी कारोबारी से 34 लाख 93 लाख हजार रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने संबंधित बैंक खातों को फ्रीज करने और ठगों का पता लगाने की कार्रवाई तेज कर दी है। बिसरख निवासी पीड़ित पंकज प्रिया रंजन ने पुलिस को शिकायत दी कि कुछ लोगों ने व्हाट्सऐप के माध्यम से उनसे संपर्क किया। उन्होंने खुद को निवेश सलाहकार बताते हुए एक ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर निवेश करने की सलाह दी। शुरूआत में उन्हें अधिक लाभ का भरोसा दिलाया गया और प्लेटफॉर्म पर निवेश बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया। पीड़ित ने अलग-अलग चरणों में कुल 34 लाख 93 हजार 850 रुपये निवेश कर दिए। प्लेटफॉर्म पर उन्हें लगातार मुनाफा दिखाया जाता रहा, जिससे उनका भरोसा बढ़ता गया। उन्होंने अपनी जमा राशि और कथित लाभ निकालने का प्रयास किया तो ठगों ने निकासी रोक दी। इसके बाद उनसे अतिरिक्त 15 लाख रुपये जमा कराने की मांग की गई। वहीं से उन्हें ठगी का एहसास हुआ। पंकज प्रिया रंजन ने पहले राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। बाद में साइबर क्राइम थाना सेक्टर-36 में लिखित शिकायत देकर एफआईआर दर्ज कराई। शिकायत में पीड़ित ने बताया कि घटना का सिलसिला जुलाई 2025 से शुरू होकर अगस्त 2025 तक चला। उन्होंने कुछ संदिग्ध नामों का भी उल्लेख किया है, जिनकी भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस ने बीएनएस और आईटी ऐक्ट की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। बैंक खातों, मोबाइल नंबरों, व्हाट्सऐप चैट और डिजिटल लेनदेन की जांच की जाएगी।

25 वर्ष बाद साकार होगा जेवर एयरपोर्ट का सपना

एजेंसी

नोएडा। वर्ष 2001 में देखा गया नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का सपना आखिरकार 25 वर्ष बाद साकार होने जा रहा है। सोमवार से जेवर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नियमित यात्री विमान सेवा की शुरूआत होगी। पहली उड़ान के साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास का एक नया अध्याय आरंभ होगा और जेवर देश के विमानन मानचित्र पर अपनी अलग पहचान दर्ज कराएगा। लंबे इंतजार और अनेक प्रशासनिक तथा राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बाद तैयार हुआ नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट अब पूरी तरह संचालन के लिए तैयार है। सोमवार को इंडिगो एयरलाइंस की पहली विशेष उड़ान लखनऊ से नोएडा एयरपोर्ट पहुंचेगी और वहां से बेंगलुरु के लिए रवाना होगी। पहली वाणिज्य उड़ान को लेकर गौतमबुद्ध नगर सहित पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है। जिले के लिए यह दिन ऐतिहासिक माना जा रहा है। जेवर के आसमान में पहली बार यात्री विमानों की नियमित आवाजाही शुरू होगी। एयरपोर्ट पर सभी आवश्यक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं। विमान सेवा शुरू होने के साथ ही जेवर क्षेत्र के लोगों का वर्षों पुराना सपना भी पूरा हो जाएगा। इसके अलावा एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डों में शामिल होने का गौरव भी इस परियोजना से जुड़ जाएगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की परिकल्पना पहली बार वर्ष 2001 में की गई थी। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा एवं विमानन केंद्र का प्रस्ताव रखा था। इसके बाद यह परियोजना कई वर्षों तक विभिन्न कारणों से आगे नहीं बढ़ सकी। एक समय ऐसा भी आया जब इस परियोजना को आगरा स्थानांतरित करने की चर्चा हुई। हालांकि बाद में परियोजना को पुनः जेवर लाया गया और तेजी से कार्य शुरू किया गया। 25 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना का शिलान्यास किया था। इसके बाद निर्माण कार्य तेज गति से आगे बढ़ा। एयरपोर्ट परियोजना के कारण गौतमबुद्ध नगर, अलीगढ़, बुलंदशहर, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ और हरियाणा के कई क्षेत्रों में निवेश और आधारभूत ढांचे के विकास को नई गति मिली।

नोएडा एयरपोर्ट से पहली उड़ान भरेंगे 170 किसान

एजेंसी

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के संचालन के पहले दिन जेवर क्षेत्र के किसानों को विशेष सौगात मिलेगी। जिन किसानों ने अपनी पुश्तैनी जमीन देकर इस महत्वाकांक्षी परियोजना को आकार दिया, वही किसान अब इसी भूमि पर बने एयरपोर्ट से पहली विशेष उड़ान का हिस्सा बनेंगे। सोमवार को 20 महिलाओं समेत 170 किसान विमान से लखनऊ जाएंगे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ संवाद करेंगे। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सुबह 8 बजे विशेष विमान लखनऊ के लिए रवाना होगा। 180 सीटों वाले इस विमान में क्षेत्र के 170 किसानों को यात्रा का अवसर दिया जाएगा, जिनमें 20 महिला किसान भी शामिल हैं। लखनऊ पहुंचने के बाद किसानों का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से संवाद कार्यक्रम होगा। इसके बाद यही विमान शाम करीब 4 बजे किसानों को लेकर वापस नोएडा एयरपोर्ट लौटेगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक हवाई यात्रा नहीं, बल्कि

उन किसान परिवारों के योगदान का सम्मान है जिन्होंने अपनी पुश्तैनी भूमि देकर इस सबसे महत्वपूर्ण आधारभूत ढांचा परियोजनाओं में से एक के लिए समर्पित की। वर्षों तक जिन हाथों ने खेतों में अन्न उगाया, अब वही हाथ नए भारत की उड़ान के सहभागी बनेंगे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण के लिए दो चरणों में कुल 2699 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया। पहले चरण में रोही, नंगला गणेशी, नंगला छौंतर, नंगला शफेक खां, रन्हेरा, बकवारी खांस और दयानतपुर सहित 6 गांवों की 1334 हेक्टेयर भूमि पर एयरपोर्ट का विकास किया गया। इसके लिए लगभग 3000 किसानों से 1239.14 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई, जिसके बदले उन्हें 3688.40 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया। दूसरे चरण में रन्हेरा, कूनैच, करौली बांगर, बोमपुर, मुहरड़ और नंगला हुकुम सिंह सहित विभिन्न गांवों के करीब 4000 किसानों से 1181.2793 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई। इसके एवज में किसानों को 4328 करोड़ रुपये का मुआवजा प्रदान किया गया। इसके अलावा लगभग 800 किसानों को भूमि पर मौजूद परिसंपत्तियों के बदले 305 करोड़ रुपये का भुगतान भी किया गया। नंगला शरीफ खां के किसान कुंवर ने बताया कि एयरपोर्ट परियोजना के लिए उनकी 6 बीघा भूमि अधिग्रहित हुई थी। इसके बदले उन्हें 1.30 करोड़ रुपये का मुआवजा मिला। इस राशि से उन्होंने टापल और हरियाणा में 15 बीघा जमीन खरीदी तथा 3 भूखंड भी लिए। रोही गांव के किसान तेजपाल सिंह का कहना है कि नोएडा एयरपोर्ट ने पूरे क्षेत्र को नई पहचान दी है।

सेक्टर-117 नोएडा में यूनिटेक बिल्डर द्वारा भूजल दोहन गंभीर मामला, जांच कर कार्रवाई की जाए – परविन्दर सिंह

एजेंसी

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) ने सेक्टर-117 नोएडा स्थित यूनिटेक विल्डर परियोजना में चल रही बोरिंग एवं संभावित भूजल दोहन पर गहरी चिंता व्यक्त की है। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष परविन्दर सिंह यादव ने कहा कि नोएडा शहर पहले से ही गिरते भूजल स्तर और पानी की कमी की समस्या से जूझ रहा है। ऐसे में किसी भी बिल्डर द्वारा बोरिंग कर भूजल का दोहन किया जाना अनेक गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि यूनिटेक बिल्डर को बोरिंग करने की अनुमति किस विभाग और किस अधिकारी द्वारा दी गई है, इसकी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। यदि बिना वैध अनुमति के यह कार्य किया जा रहा है तो यह पर्यावरण एवं जनहित के साथ खिलवाड़ है। परविन्दर सिंह यादव ने कहा कि प्राधिकरण और संबंधित

विभागों की जानकारी एवं निगरानी के बिना इस प्रकार का कार्य होना संभव नहीं लगता। इसलिए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि बोरिंग की अनुमति किस आधार पर दी गई और क्या सभी नियमों का पालन किया जा रहा है। भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) मांग करती है कि यूनिटेक बिल्डर द्वारा की जा रही बोरिंग की तत्काल जांच कराई जाए। अनुमति से संबंधित सभी दस्तावेज सार्वजनिक किए जाएं। भूजल दोहन के नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाए। नोएडा में भूजल संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई नहीं की गई तो भारतीय किसान यूनियन (क्रांति) जनहित में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन एवं संबंधित विभागों की होगी।

संक्षिप्त डायरी

साइबर ठगी से बचने के तरीके बताए

एजेंसी

नोएडा। कमिश्नरेट पुलिस ने मिशन शक्ति अभियान-5.0 के तहत रविवार को महिलाओं को साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया। मिशन शक्ति टीम ने हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। महिलाओं को बताया गया कि अगर वे घरेलू हिंसा की शिकार होती हैं या कोई उन्हें बेवजह परेशान करता है तो किस तरह से शिकायत करनी है। मिशन शक्ति के तहत ही विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं को कराटे और जूडो का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को ठगी के प्रकार और इससे बचने के उपायों के बारे में भी विस्तार से बताया।

जन पंचायत के माध्यम से चुनाव की तैयारी शुरू

एजेंसी

नोएडा। समाजवादी पार्टी ने आसमी विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। रविवार को दादरी क्षेत्र के पलवा गांव में पूर्व जिलाध्यक्ष इंद्र प्रधान के नेतृत्व में जन पंचायत का आयोजन हुआ। इस दौरान महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार आदि मुद्दे उठाए गए। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य इंद्र प्रधान ने कहा कि भाजपा शासन काल में देश और प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। युवाओं बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। देश और प्रदेश में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। उन्होंने ने कहा कि पूर्व में सपा सरकार के कार्यकाल के दौरान उत्तर प्रदेश के विकास के लिए बहुत काम किए गए थे। इस मौके पर बब्बल भाटी, कृष्णा चौहान, सुनीता यादव, अक्षय चौधरी, विनीत यादव, हरबीर प्रधान, विनोद लोहिया, जगवीर नम्बरदार, रोहित मत्ते गुर्जर, मेंहदी हसन, दीपक शर्मा आदि पदाधिकारी, कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे।

परिषदीय विद्यालयों में एक जुलाई से लागू होगी कैच-अप शिक्षण रणनीति

एजेंसी

नोएडा। परिषदीय विद्यालयों में विद्यार्थियों के अधिगम स्तर (लर्निंग लेवल) को बेहतर बनाने और सीखने के अंतराल (लर्निंग गैप) को कम करने के लिए बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग ने हाईकैच-अप शिक्षण रणनीतिह्व लागू करने का निर्णय लिया है। यह रणनीति एक जुलाई से प्रभावी होगी। प्राप्त निर्देशों के अनुसार, डायट प्राचार्य, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी, एआरपी, मेंटर, प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक इस रणनीति का गहन अध्ययन करेंगे और इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए बीईओ-प्रधानाध्यापक बैठकों और शिक्षक संकुल बैठकों में विस्तृत चर्चा करेंगे। रणनीति के तहत जुलाई में विद्यार्थियों के लिए 15 दिवसीय पुनरावृत्ति शिक्षण अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही नियमित शिक्षण के दौरान प्रतिदिन 20 से 30 मिनट का कैच-अप शिक्षण कराया जाएगा, ताकि अपेक्षित अधिगम स्तर से पीछे रह गए बच्चों को आवश्यक शैक्षणिक सहयोग प्रदान किया जा सके। विभाग का मानना है कि इस पहल से विद्यार्थियों का सीखने का अंतर कम होगा, आत्मविश्वास बढ़ेगा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रत्येक बच्चे को उसकी आवश्यकता के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा सकेगी।

नैतिक शिक्षा शिविर में बच्चों को प्रमाण पत्र वितरित

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-27 स्थित दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित सात दिवसीय नैतिक शिक्षा शिविर के समापन अवसर पर रविवार को बच्चों को प्रमाण पत्र व उपहार वितरित किए। इस दौरान आयोजित धार्मिक व नैतिक शिक्षा परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए, जिसके आधार पर 120 से अधिक बच्चों को सम्मानित किया गया। मौके पर बच्चों को जैन धर्म, भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और संस्कारों की शिक्षा दी गई। इसके साथ ही ब्रह्मचारिणी डॉ. आराधना व डॉ. समता के मार्गदर्शन में बच्चों को कई धार्मिक एवं नैतिक विषयों की जानकारी दी गई। मंदिर के सेवादार सुबोध जैन ने बताया कि ऐसे शिविर बच्चों के व्यक्तित्व विकास, नैतिक शिक्षा और संस्कार निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

यमुना एक्सप्रेसवे के लिए भूमि देने वाले मुफ्त सफर करेंगे

एजेंसी

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे के लिए जमीन देने वाले जेवर के किसान टोल मुक्त यात्रा कर सकेंगे। इसके लिए सात गांवों में अभियान चलाया गया। वहीं, 40 किलोमीटर के मध्य भूमि देने वाले किसानों के दस्तावेज जमा किए गए। यमुना एक्सप्रेसवे के सहायक महाप्रबंधक जेके शर्मा ने बताया कि ऐसे किसान और भूस्वामियों को फॉर्म संख्या-11, मतदाता पहचान पत्र, वाहन पंजीकरण प्रमाणपत्र, मोबाइल नंबर एवं वर्तमान पता (यदि पूर्व रिकॉर्ड में परिवर्तन हुआ हो) की प्रतियां जमा कराने के लिए कहा गया था। इसके लिए अंतिम तिथि 15 जून है। बताया कि दस्तावेजों का सत्यापन होने के बाद पात्र किसानों को टोल में 100 प्रतिशत की रियायत दी जाएगी। यह दस्तावेज किसानों को जेवर टोल प्लाजा स्थित परियोजना कार्यालय में उपलब्ध कराने होंगे। वहीं, एक्सप्रेसवे प्रबंधन की टीम ने रविवार को किसानों के रिश्तेदारों पास बनाने के लिए रोनीजा, नीलोनी मिजार्पुर, अच्छेजा, रौलखा, सलारपुर, भट्टपुर ब्राह्मण आदि

नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले गिरोह का पदार्फाश

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-20 थाने की पुलिस और यातायात पुलिस ने नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले गिरोह का पदार्फाश कर दो आरोपियों को सिल्म सिटी के पास से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 7.25 लाख रुपये की 3,600 शीशी अवैध कफ सिरप बरामद किया। यह खेप एक फॉर्च्यूनर कार में भरकर नोएडा लाई जा रही थी। पुलिस का दावा है कि बरामद कफ सिरप का इस्तेमाल नशे के रूप में किया जाता है। इस मामले में गिरोह के तीन अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। एसीपी प्रवीण सिंह ने बताया कि शनिवार को सेक्टर-20 थाना पुलिस और यातायात पुलिस नोएडा-डेल्टा नोएडा एक्सप्रेसवे पर जांच अभियान चला रही थी। इसी दौरान सिल्म सिटी से रजनीगंधा चौक की ओर जाने वाले मार्ग पर एक्सप्रेसवे से उतरने वाले लूप के पास एक संदिग्ध फॉर्च्यूनर कार को रोककर जांच की गई। तलाशी लेने पर कार में रखे 15 बोरों से भारी मात्रा में अवैध कफ सिरप बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि बरामद कफ सिरप ओरेंगेक्स 100 एमएल बोतल ब्रांड का है। कुल 3,600 शीशियों की बरामदगी हुई। जांच में सामने आया कि सिरप की प्रत्येक पांच मिलीलीटर मात्रा में 10 मिलीग्राम कोडीन फॉस्फेट है। कोडीन युक्त दवाओं का निर्धारित चिकित्साकीय उपयोग होता है, लेकिन इनका अधिक मात्रा में सेवन करने पर नशे जैसा प्रभाव उत्पन्न होता है। इसी वजह से ऐसी दवाओं की अवैध

तस्करी कर उन्हें नशे के रूप में बेचने का कारोबार तेजी से फैल रहा है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 25 वर्षीय पीयूष वर्मा और 20 वर्षीय कपिल विश्वकर्मा के रूप में हुई। पीयूष वर्मा मूलरूप से मध्य प्रदेश के रीवा जिले का रहने वाला है। वहीं, कपिल विश्वकर्मा रीवा जिले के चौराहटा थाना क्षेत्र के ग्राम एवं पोस्ट तमरा पारी का निवासी है। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस को पता चला है कि दोनों आरोपी नशीले कफ सिरप की खेप को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने का काम करते थे। पुलिस को शक है कि इसके पीछे अंतरराज्यीय नेटवर्क सक्रिय है, जो युवाओं तक नशे की सामग्री पहुंचाने में लगा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अब पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुट गई है। जांच में तीन अन्य लोगों के नाम भी सामने आए हैं। इनमें विष्णु कुशवाहा, शानू सिंह और हीरा लाल शामिल हैं।

चालक को झपकी आने से स्लीपर बस पलटी, 17 यात्री घायल

एजेंसी

नोएडा। फरुखाबाद से दिल्ली आ रही तेज रफ्तार स्लीपर बस के चालक को रविवार सुबह करीब पांच बजे महामाया फ्लाईओवर के पास अचानक झपकी आ गई। इससे बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे में 17 यात्री घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक फरुखाबाद से स्लीपर बस 29 यात्रियों को लेकर दिल्ली आ रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार महामाया फ्लाईओवर के आगे नोले से पहले चालक को अचानक झपकी आई, जिसके कारण बस सीधे डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर आधी पलट गई। कई यात्री सीटों के बीच फंस गए, जबकि कुछ को मामूली चोटें आईं। राहगीरों और स्थानीय लोगों ने बिना समय गंवाए बस के शीशे और दरवाजों के जरिए यात्रियों को बाहर निकालना शुरू किया। सूचना मिलने पर पुलिस को तत्काल अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। इस दुर्घटना में 17 यात्री घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद आठ यात्रियों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं, नौ अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद छुट्टी दे दी गई। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि रेफर किए गए यात्रियों को सिर, हाथ-पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। उधर, हादसे की सूचना मिलते ही यातायात पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। दुर्घटनाग्रस्त बस सड़क के बीचोंबीच फंसी होने के कारण कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ। पुलिस ने क्रेन की मदद से पलटी बस को हटवाकर सड़क किनारे खड़ा कराया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। लोगों का कहना है कि लगातार कई घंटे वाहन चलाने से चालक की एकाग्रता प्रभावित होती है और कुछ सेकेंड की झपकी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में परिवहन कंपनियों को चालक के आराम और निर्धारित ड्यूटी अवधि का विशेष ध्यान रखना चाहिए, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।हादसे की तीव्रता का अंदाजा, इसी बात से लगाया जा सकता है कि बस का एक्सेल समेत कई उपकरण टूटकर अलग हो गए थे और सड़क पर बिखर गए। बस की टक्कर से डिवाइडर पर रखे गमले और दिशा-सूचक बोर्ड भी क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और बस को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अब तक मामले में किसी भी यात्री या बस संचालक की ओर से कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई थी। घायलों में फरुखाबाद निवासी 30 वर्षीय नजीर, 38 वर्षीय सुल्तान, उनकी 18 माह की पुत्री तन्वी, 20 वर्षीय शारीक और 25 वर्षीय रमेश सिंह शामिल हैं। दिल्ली के उत्तम नगर निवासी 30 वर्षीय अजीमुल रहमान, सुलतानपुर निवासी 28 वर्षीय सुनैना, उनकी सात वर्षीय पुत्री एलिजा और 71 वर्षीय राकेश, लक्ष्मी नगर निवासी 17 वर्षीय खुशबू, 37 वर्षीय समीना, शमशाबाद निवासी 40 वर्षीय इरशाद, उनकी पत्नी 30 वर्षीय तरन्नुम, सलेमपुर निवासी 45 वर्षीय यासीन, चालक निवासी 26 वर्षीय मोहम्मद साहिल भी घायल हुए। 28 वर्षीय जफरीन का पता स्पष्ट नहीं हो सका है। इसमें आठ की हालत गंभीर होने के चलते हायर सेंटर रेफर किया गया है। उनकी हालत गंभीर है इनमें अजीमुलरहमान, एलिजा, सुल्तान, तन्वी, शारीक, इरशाद, यासीन और तरन्नुम शामिल हैं। घायलों में कई ऐसे हैं, जो एक ही परिवार के हैं।

शिगेल संक्रमण से 7 साल के बच्चे की मौत

मलप्पुरम (एजेंसी)। केरल के मलप्पुरम जिले में शिगेला संक्रमण से 7 साल के एक बच्चे की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, पूक्कोट निवासी अर्जव की कोझिक्कोड सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान सोमवार को मौत हुई। अधिकारियों ने बताया कि अर्जव को 12 जून को बुखार और दस्त की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जांच में उसमें शिगेला संक्रमण की पुष्टि हुई थी। इस साल केरल में शिगेला संक्रमण से यह चौथी मौत है। इनमें से तीन मौतें जून महीने में हुई हैं। स्वास्थ्य सेवा निदेशालय के आंकड़ों के मुताबिक, 14 जून तक राज्य में शिगेला संक्रमण के 138 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। सबसे ज्यादा मामले कोझिक्कोड जिले में दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा राज्य में 77 संदिग्ध मामले भी सामने आए हैं। शिगेला एक बैक्टीरियल संक्रमण है, जिससे दस्त, बुखार और पेट में ऐंठन जैसी समस्याएं होती हैं। यह बीमारी मुख्य रूप से दूषित भोजन या पानी के सेवन और संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलती है।

3 साल की बच्ची से रेप, मौत

तिरुवन्नूर (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुवन्नूर में 3 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने बिहार के एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान 19 साल के विक्रम मंव के तौर पर हुई है, जो तिरुवन्नूर में मजदूरी करता है। वहीं पीड़ित परिवार भी बिहार का ही बताया जा रहा है, जो इंडस्ट्रीयल परिक्र में काफी सालों से रह रहा था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, रविवार को आरोपी बच्ची को बिस्किट का लालच देकर अपने साथ ले गया था। जिसके बाद बच्ची घर नहीं लौटी। सोमवार को एक महिला ने झाड़ी में बच्ची को गंभीर हालत में देखा। जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान पता चला कि उसके साथ रेप हुआ था। थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई। वहीं, पुलिस ने बताया कि बच्ची आरोपी को जानती थी। घटना के बाद गुस्साए परिजन और स्थानीय लोगों ने सड़क पर उतरकर जमकर हंगामा किया। इस दौरान कई राहगीरों के साथ मारपीट की गई। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

केंद्र ने वीबी-जी राम जी योजना के तहत बंगाल को दिए 8500 करोड़, सीएम शुभेंदु ने शुरू किए जन कल्याण शिविर

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को बताया कि केंद्र सरकार ने राज्य को वीबी-जी राम जी योजना के तहत 8,500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए बंगाल को 8,598 करोड़ रुपये मिले हैं। उत्तर प्रदेश के बाद बंगाल इस योजना में सबसे ज्यादा फंड पाने वाला दूसरा राज्य बन गया है। योजना के तहत उत्तर प्रदेश को 9,721.48 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसके अलावा, ग्राम सड़क योजना के तहत भी 2,400 करोड़ रुपये मंजूर हुए हैं, जिनमें से 1,000 करोड़ रुपये केंद्र ने जारी कर दिए हैं। इस बीच, मुख्यमंत्री ने पूर्व मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम से राज्यव्यापी जन कल्याण शिविर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा, केंद्र से मिला यह पैसा ग्रामीण परिवारों को साल में 125 दिन के रोजगार की गारंटी देगा। राज्य में 15 जून से 17 जून तक 1,100 जन कल्याण शिविर लगाए जा रहे हैं। ये शिविर सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक खुले रहेंगे। यहां लोग केंद्र और राज्य सरकार की 54 अलग-अलग योजनाओं की जानकारी ले सकते हैं और उनके लिए आवेदन जमा कर सकते हैं।

जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर को थप्पड़ मारे

-प्रदर्शनकारियों ने युवक को पीटा; आपस में भिड़े समर्थक, कई फोन चोरी

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के फाउंडर अभिजीत दीपके को थप्पड़ मारे गए हैं। इसके बाद पार्टी के समर्थकों ने थप्पड़ मारने वाले युवक को पकड़कर पीट दिया। अभिजीत नीट पेपर लीक, शिक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी और युवाओं से जुड़े अलग-अलग मुद्दों को लेकर प्रदर्शन में शामिल होने आए हैं। प्रदर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग शहीद स्मारक पर जुटे थे। इससे पहले यहां नारेबाजी करते समय युवक आपस में भिड़ गए। इस पर पुलिस ने एक युवक को कस्टडी में ले लिया। धरनास्थल से कई प्रदर्शनकारियों के मोबाइल चोरी हो गए। इसके बाद मंच से लोगों को अपने मोबाइल सुरक्षित रखने के लिए कहा गया।

गुरुग्राम से बंधक महिला का रेस्क्यू: दो साल तक शारीरिक प्रताड़ना और जबरन मजदूरी

बीरभूम (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले की 39 वर्षीय महिला, भादु मांडी को गुरुग्राम स्थित एक फ्लैट में दो साल से अधिक समय तक कथित तौर पर बंधक बनाकर रखने, शारीरिक प्रताड़ना और यौन उत्पीड़न के 16 घंटे से अधिक घरेलू काम कराने के बाद मुक्त कराया गया है। महिला को 40,000 रुपये के अग्रिम भुगतान पर घरेलू सहायिका के रूप में गुरुग्राम लाया गया था। पुलिस के अनुसार, वहां महिला को कथित तौर पर लगातार 16 घंटे से अधिक काम और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। इस मामले का खुलासा इसी साल मार्च में हुआ, जब मरम्मत के लिए आए एक तकनीशियन की मदद से भादु ने अपने परिवार से संपर्क कर दर्दनाक कहानी सुनाकर मदद मांगी। इसके बाद भादु की बहन लक्ष्मी टुडू ने अधिकारियों से गुहार लगाई। गैर-सरकारी संगठन 'नारी और शिशु कल्याण केंद्र' ने परिवार से विस्तृत जानकारी लेकर सरकारी एजेंसियों, जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) और श्रम विभाग जैसी एजेंसियां शामिल थीं, से संपर्क स्थापित किया।

जांच के बाद, श्रम विभाग ने बंधुआ मजदूरी का मामला मानकर बीरभूम जिलाधिकारी को तुरंत हस्तक्षेप करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर थाने में बंधित श्रम पद्धति (उत्सादन) अधिनियम, 1976 और भारतीय न्याय संहिता के तहत प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल पुलिस की एक टीम गुरुग्राम पहुंची और लोकल प्रशासन के सहयोग से भादु को मुक्त कराया। बचाव अभियान के दौरान फ्लैट मालिक मौके पर नहीं मिले, उन्हें स्थानीय पुलिस के सामने पेश होने के लिए नोटिस दे दिया है। पुलिस ने बताया कि मामले में जांच जारी है और दोषी होने पर सभी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। भादु के वापस लौटने पर पुलिस उसका बयान दर्ज करेगी।

जब उनका कोई दोष नहीं है तो इस्तीफा क्यों देंगे शिक्षा मंत्री

- नीट परीक्षा मामले में मंत्री किरेन रिजिजू ने स्थित स्पष्ट की

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में नीट परीक्षा और सीबीएसई से जुड़े मुद्दों को लेकर मचे सियासी घमासान के बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सरकार का रुख स्पष्ट किया है। परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों को लेकर विपक्ष और शिक्षक संगठनों द्वारा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की जा रही है। इस तनावपूर्ण माहौल में एक विशेष साक्षात्कार के दौरान जब केंद्रीय मंत्री से पूछा गया कि यदि आज भाजपा विपक्ष में होती, तो क्या वह भी शिक्षा मंत्री का इस्तीफा मांगती? इस पर एक इंटरव्यू में रिजिजू ने जवाब देते हुए कहा कि व्यवस्था को समझने में एक बुनियादी फर्क है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी घोटाले या धोखाधड़ी में सीधे तौर पर मंत्री या उनके निजी स्टाफ की संलिप्तता होती है, तो निश्चित रूप से उसकी जिम्मेदारी मंत्री की बनती है। परंतु, जब किसी स्वायत्त संस्था के भीतर कोई तकनीकी या प्रशासनिक समस्या उत्पन्न होती है, तो उसके लिए वह संस्था ही सीधे तौर पर जवाबदेह होती है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि सीबीएसई और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) जैसी संस्थाएं पूरी तरह से स्वायत्त हैं और इनके दैनिक कामकाज या निगरानी में शिक्षा मंत्री का सीधा हस्तक्षेप नहीं होता है। उन्होंने पिछले एक दशक से अधिक समय का हवाला देते हुए कहा कि बीते 12 वर्षों में मौजूदा सरकार के किसी भी मंत्री पर रिश्वतखोरी, कमीशन लेने या सरकारी तंत्र के साथ छेड़छाड़ करने के सीधे आरोप नहीं लगे हैं। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जब वर्तमान सत्तारूढ़ विपक्ष में हुआ करता था, तब तत्कालीन सरकार के मंत्रियों के खिलाफ हर महीने कई घोटाले सामने आते थे। इसलिए कांग्रेस और वर्तमान सरकार की कार्यप्रणाली के बीच के इस बड़े अंतर को जनता को समझना चाहिए। इसी दौरान, हाल ही में उभरे राजनीतिक संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े सवालों पर भी रिजिजू ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान के तहत किसी को भी नया राजनीतिक दल बनाने का पूरा अधिकार है, परंतु किसी को भी देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का मजाक बनाने या उसे कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि यह नया संगठन केवल कांग्रेस के वोट बैंक के लिए चुनौती पेश कर रहा है, इसलिए इस पर चिंता करने की जरूरत भाजपा को नहीं बल्कि कांग्रेस को है। दूसरी तरफ, इस पूरे मुद्दे को लेकर मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने केंद्र सरकार के खिलाफ एक बड़े और व्यापक देशव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर ली है।

17 जून से सड़कों पर उतरेगी कांग्रेस

कांग्रेस अगामी 17 जून से पेपर लीक, परीक्षाओं में विफलता और बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दों को लेकर सड़कों पर उतरने जा रही है। इस देशव्यापी अभियान की कमान स्वयं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी संभालेंगे। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, राहुल गांधी 17 जून को राजस्थान के कोटा में आयोजित एक विशाल छात्र सम्मेलन के जरिए इस आंदोलन की शुरुआत करेंगे। इसके बाद वे 10 जुलाई को इलाहाबाद (प्रयागराज), 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को देश की राजधानी दिल्ली में बड़े छात्र सम्मेलनों को संबोधित कर सरकार को घेरेंगे।

आरएसएस प्रमुख भागवत जाएंगे अमेरिका-ब्रिटेन, यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के चीफ मोहन भागवत अगले दो महीनों के अंदर अमेरिका और ब्रिटेन की यात्रा पर जा सकते हैं। इस दौरान वह भारतीय मूल के लोगों और कई सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। यह दौरा संघ के शताब्दी वर्ष के जश्न और वैश्विक स्तर पर संगठन के विस्तार का हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भागवत की यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कुछ कार्यक्रमों का आयोजन हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) द्वारा भी किया जाएगा, जो आरएसएस इंटरनेशनल विस्तार है। रिपोर्ट के मुताबिक आरएसएस इस समय अपने 100वें वर्ष के कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। संगठन देश और विदेश में भारतीय समुदाय के साथ संवाद बढ़ाने पर जोर दे रहा है। इस कड़ी में मोहन भागवत का अमेरिका और ब्रिटेन दौरा अहम माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती स्तर पर न्यूयॉर्क में कार्यक्रम की भी योजना बनाई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि भागवत वहां भारतीय समुदाय को संबोधित कर सकते हैं। हालांकि कार्यक्रमों की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। बता दें मोहन भागवत इससे पहले वर्ष 2016 में ब्रिटेन गए थे। इस दौरान उन्होंने हिंदू स्वयंसेवक संघ के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। एचएसएस विदेशों में भारतीय संस्कृति, योग, सेवा कार्यों और पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने का काम करता है। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब इंटरनेशनल स्तर पर कई भू-राजनीतिक चुनौतियां बनी हुई हैं। भारतीय प्रवासी समुदाय के बीच भारत और भारतीय संस्कृति को लेकर संवाद बढ़ाने को भी इस दौरे का प्रमुख उद्देश्य माना जा रहा है।

केरल सीएम का आदेश: संघ के कार्यक्रम में शामिल कुलपति माफी मांगें

-पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने गहरी चिंता जाहिर की

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के मुख्यमंत्री वी.डी.सतीशन ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में तीन कुलपतियों के शामिल होने पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने इन कुलपतियों से सार्वजनिक माफी की मांग कर कहा कि उनका यह कृत्य उनके पद की गरिमा और केरल की स्थापित शैक्षिक परंपराओं के बिल्कुल विपरीत है। यह घटना तिरुवनंतपुरम में आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत द्वारा संबोधित कार्यक्रम में हुई, जिसमें केरल, एमजी और मलयालम विश्वविद्यालयों के कुलपति मौजूद थे।

मुख्यमंत्री सतीशन ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से भागीदारी को गंभीर चूक करार दिया। उन्होंने कहा कि केरल का समाज कुलपति जैसे सम्मानित पद का बहुत आदर करता है, और अति-साम्प्रदायिक विचारों के प्रचारक आरएसएस नेता के कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति से पद की गरिमा धूमिल हुई है। सतीशन ने स्पष्ट चेतावनी दी कि सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने वाली किसी भी गतिविधि को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और तीनों कुलपतियों को आधिकांश केरल की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

इस मुद्दे पर विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने गहरी चिंता जाहिर की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुलपतियों की यह भागीदारी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संघ परिवार के प्रभाव को बढ़ाने के प्रयासों का स्पष्ट संकेत है। पूर्व सीएम विजयन ने कहा कि यह घटना धर्मनिरपेक्ष केरल के लिए बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि विश्वविद्यालयों में संघ परिवार के एजेंडे को लागू करने की कोशिशों को लेकर पहले से आशंकाएं जाहिर की गई थीं। कुलपतियों की इस उपस्थिति ने इन चिंताओं को और अधिक बल दिया है, जिससे यह साफ होता है कि आरएसएस किस तरह उच्च शिक्षा संस्थानों पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। यह घटना केरल के राजनीतिक और शैक्षिक गलियारों में गरमागरम बहस का विषय बन गई है, जिसमें राज्य के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों को चुनौती के रूप में देखा जा रहा है।

तृणमूल कांग्रेस में बगावत के बीच शत्रुघ्न सिन्हा को लेकर सस्पेंस

बागी सांसदों के पत्र और दावों के बीच अभिनेता ने दी सफाई

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में मचे आंतरिक घमासान के बीच एक बेहद चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। रविवार को सांसद काकोली घोष दस्तीदार की अगुवाई में तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की और औपचारिक रूप से सूचित किया कि वे 'नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय करना चाहते हैं। बागियों ने लोकसभा अध्यक्ष से संसद के भीतर अपने गुट के लिए अलग बैठने की व्यवस्था करने की मांग की है। हालांकि, लोकसभा स्पीकर को पत्र सौंपने के दौरान सामने आई तस्वीरों ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है, क्योंकि वहां टीएमसी के केवल 17 बागी सांसद ही मौजूद दिखाई दे रहे हैं, जबकि काकोली घोष का दावा है कि उन्होंने कुल 20 बागी सांसदों के हस्ताक्षर वाला आधिकारिक पत्र सौंपा है। इस संभावित कदम के विवाद के बीच ही एनसीपीआई के एक सोशल मीडिया कदम ने राजनीतिक हलकों में खलबली मचा दी है। एनसीपीआई ने अपने ऑफिशियल फेसबुक अकाउंट से असमसलोक के सांसद और दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा की तस्वीर साझा करते हुए उनके पार्टी में शामिल होने पर खुशी जताई। पार्टी ने अपने पोस्ट में लिखा कि नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया के परिवार में एक जाने-माने जननेता का हार्दिक स्वागत है। हम पूरा विश्वास है कि आपका लंबा राजनीतिक अनुभव, जनसंपर्क और लोगों के प्रति प्रतिबद्धता हमारे संगठन को और मजबूत तथा समृद्ध बनाएगी। देश और जनता की भलाई के लिए मिलकर काम करते हुए, हम न्याय, समानता, पारदर्शिता और विकास वाला एक नया भारत बनाएंगे। इस पोस्ट के सामने आते ही यह बड़ा सवाल उठ खड़ा हुआ कि क्या शत्रुघ्न सिन्हा का भी मूड बदल चुका है और वह गुपचुप तरीके से बागी सांसदों के खेमे में शामिल होकर नई पार्टी का हिस्सा बन चुके हैं। हालांकि, इन तमाम कयासों और अटकलों पर खुद शत्रुघ्न सिन्हा ने पूर्ण विराम लगा दिया है। उन्होंने बेहद कड़े और स्पष्ट शब्दों में एलान किया है कि वह किसी भी परिस्थिति में अपनी पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी का साथ नहीं छोड़ेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनके राजनीतिक जीवन के सबसे कठिन दौर में ममता बनर्जी उनके साथ मजबूती से खड़ी थीं, इसलिए आज उनका यह नैतिक दायित्व बनता है कि वह भी संकट के इस समय में अपनी नेता के साथ पूरी ताकत से खड़े रहें। बागी सांसदों की सूची में अपना नाम उछाले जाने की कोशिशों को सिरे से खारिज करते हुए शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि उनका रुख बिल्कुल साफ है और वह अपना तीन लाइन का व्हिप जारी करते हुए घोषणा करते हैं कि वह तृणमूल कांग्रेस और ममता बनर्जी के साथ थे, हैं और आगे भी हमेशा रहेंगे। शत्रुघ्न सिन्हा ने स्वीकार किया कि सियासी और राजनीति के लंबे सफर के कारण विभिन्न राजनीतिक दलों में उनके बहुत से मित्र हैं, लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं निकाला जाना चाहिए कि वह अपनी निष्ठा बदल रहे हैं। उन्होंने बागी सांसदों पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग केंद्रीय जांच एजेंसियों के दबाव, डर या किसी बड़े प्रलोभन के कारण अपना रास्ता बदल सकते हैं, लेकिन वह अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने अपनी असमसोल की जीत का पूरा श्रेय ममता बनर्जी, टीएमसी के कार्यकर्ताओं और वहां की जनता को दिया। सिन्हा ने खुलासा किया कि उन्हें भी बागी गुट में शामिल होने का निमंत्रण मिला था, लेकिन उन्होंने उसे ठुकरा दिया और वह भविष्य में भी ममता बनर्जी के सिपाही बने रहेंगे।

झारखंड राज्यसभा चुनाव : कांग्रेस की बढ़ी चिंता, विधायकों को एकजुट रखने की चुनौती

रांची (एजेंसी)। झारखंड में राज्यसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए दोनों सीटों पर जीत सुनिश्चित करना आसान नहीं दिख रहा है। एक ओर झारखंड मुक्ति मोर्चा के उम्मीदवार बैजनाथ राम मैदान में हैं, वहीं कांग्रेस ने अपना हक जो प्रत्याशी बनाया है। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार परिमल नाथवानी ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है। राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ी चर्चा संभावित क्रॉस वोटिंग को लेकर है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेतृत्व अपने विधायकों को एकजुट रखने की कोशिश में जुटे हैं। गठबंधन को आशंका है कि कुछ विधायक मतदान के दौरान अलग रुख अपना सकते हैं, जिससे चुनावी गणित प्रभावित हो सकता है। परिमल नाथवानी को भारतीय जनता पार्टी का समर्थन प्राप्त है और वे लगातार विभिन्न विधायकों से संपर्क साध रहे हैं। उनके मैदान में उतरने से कांग्रेस उम्मीदवार प्रणव झा के लिए मुकाबला और कठिन हो गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्यसभा की दूसरी सीट पर सबसे दिलचस्प संघर्ष देखने को मिल सकता है। हालांकि इंडिया गठबंधन को वामपंथी विधायकों के समर्थन से कुछ राहत मिली है, लेकिन चुनावी समीकरण अब भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। ऐसी में राज्यसभा चुनाव केवल संख्या बल का नहीं, बल्कि रणनीति और वोट प्रबंधन की परीक्षा बन गया है। मतदान के दिन सभी दलों की नजर अपने-अपने विधायकों की एकजुटता पर रहेगी।

संदीप पाठक जैसे नेता ने आप का साथ छोड़ दिया, पार्टी नेतृत्व भी हैरान

संजय सिंह बोले- संगठन के साथ दिल्ली-पंजाब की बड़ी जिम्मेदारी पाठक को दी थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी राघव चड्ढा बगावत कांड को अब तक समझ नहीं पाई है। पार्टी नेतृत्व अब भी हैरान है कि आखिर कैसे संदीप पाठक जैसे नेता ने साथ छोड़ दिया, जिन्हें संगठन में इतनी अहम जिम्मेदारी दी थी। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने स्वीकार किया है कि उन्हें या पार्टी में किसी को इस बात का आभास नहीं था कि संदीप पाठक ऐसा कदम उठा सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक पॉडकास्ट में तेलंगाना नेता और आप सांसद संजय सिंह ने राघव चड्ढा के समेत सात सांसदों के पार्टी छोड़ने पर ज्यादा कुछ नहीं कहा लेकिन संदीप पाठक को लेकर बेहद हैरान नजर आए। उन्होंने अशोक मित्तल समेत कुछ राज्यसभा सांसदों को हटाने और दबाव डालकर तोड़ने का आरोप लगाया है। संजय सिंह ने मानें दम तक उनके कोनेपो में ना जाने का दावा करते हुए राघव चड्ढा वाली बगावत पर जवाब दिया, आप यह उम्मीद नहीं कर सकते कि हर आदमी एक ही हैसले का होगा। अशोक मित्तल पर छापा पड़ा ईडी का, तीन दिन तक चलता रहा। उसके बेटे को प्रताड़ित किया गया, दबाव बनाया गया। चिट्ठी सामने रख दी गई मालन कर पार्टी छोड़ो को बचाना है तो। उनको डराया धमकाया गया, साइन करा लिया गया।

राघव चड्ढा और आप के बीच दरार काफी बढ़ गई थी और बगावत से एक महीने पहले जब उन्हें राज्यसभा में उपनेता के पद से हटाया गया था तभी यह साफ हो गया था कि राहें अब अलग होने वाली हैं। हालांकि, अचानक उनके साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखे राघव चड्ढा को लेकर सभी लोग हैरान रह गए थे। संजय सिंह ने खुद को भी इसी आक्रोश में बताया। पाठक को लेकर किए गए सवाल पर उन्होंने कहा, संदीप पाठक क्यों गए वही बता सकते हैं। मुझे भी आश्चर्य हुआ संदीप पाठक के जाने से अफसोस हुआ।

संदीप पाठक को रोकने के सवाल पर संजय सिंह ने कहा कि इसकी भनक ही नहीं लगी। उन्होंने कहा कि रोकने की कोशिश तब होगी जब मैं जानूं कि आप जा रहे हो, या अपके मन में कुछ ऐसा है कि पार्टी छोड़ सकते हो। यह पूरी ईमानदारी से बता रहा हूं, इसमें कोई राजनीतिक चालबाजी नहीं कर रहा हूं। सीधे-सीधे बता रहा हूं कि कभी कोई एहसास भी नहीं हुआ तनिक भी कि ये पार्टी छोड़ सकते हैं। संदीप पाठक को नजरअंदाज किए जाने के सवाल पर सांसद सिंह ने कहा कि यह तो गलत बात है, संगठन के निर्माण की बड़ी जिम्मेदारी संदीप पाठक को दी गई थी। पंजाब और दिल्ली में जिम्मेदारी दी गई, राजसभा में दी गई। यह तो गलत है कि उनकी उपेक्षा हो रही थी। ऐसा नहीं था।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश से मौसम हुआ सुहावना

-19 जून तक जारी रहेगा राहत का सिलसिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के निवासियों को सोमवार सुबह भीषण गर्मी और उमस से उस समय बड़ी राहत मिली जब आसमान में घने बादल छा गए और कई इलाकों में झमाझम बारिश दर्ज की गई। इस अचानक हुई बारिश से तापमान में भारी गिरावट आई है और मौसम पूरी तरह सुहावना हो गया है। मौसम विभाग और मौसम विशेषज्ञों ने पहले ही उत्तर-पश्चिम भारत में एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के प्रभाव से बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई थी, जिसका असर अब पहाड़ल पर साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। सुबह-सुबह हुई इस बारिश ने दिल्ली-एनसीआर के लोगों को चिलचिलाती गर्मी से बड़ी राहत पहुंचाई है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से दिल्ली समेत पूरे उत्तर-पश्चिम भारत में पश्चिमी विक्षोभ के साथ-साथ बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली नमी युक्त हवाओं का असर देखा जा रहा है। इन दोनों मौसमी प्रणालियों के संयुक्त प्रभाव के कारण दिल्ली-एनसीआर के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे पहाड़ी राज्यों में भी व्यापक वर्षा दर्ज की गई है। इस दौरान कई मैदानी और पहाड़ी क्षेत्रों में हवा की गति 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच गई, जिससे जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल यह पश्चिमी विक्षोभ उत्तर हरियाणा के ऊपर स्थित है और धीरे-धीरे आगे की ओर बढ़ रहा है। हालांकि इसके आगे बढ़ने से आने वाले समय में बारिश की तीव्रता में कुछ कमी आने की संभावना जरूर है, लेकिन उत्तर-पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला लगातार जारी रहेगा। वर्तमान स्थिति को देखते हुए मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और हरियाणा के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जबकि राजस्थान के कई हिस्सों में धूल भरी तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी है। ताजा पूर्वानुमान के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत में 19 जून तक मौसम का यह मिजाज बरकरार रहेगा और बारिश के साथ तेज हवाओं का दौर जारी रहेगा। पहाड़ी क्षेत्रों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में 13 से 19 जून के बीच रुक-रुक कर बारिश होने की संभावना है, जबकि हिमाचल प्रदेश में 14 से 19 जून तक लगातार वर्षा की गतिविधियां देखी जा सकती हैं। इसके साथ ही मैदानी क्षेत्रों में हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी 19 जून तक छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश होने की पूरी संभावना जताई गई है।

राजद के कुनबे पर मंडराया टूट का संकट: क्या बिखरेंगे ताश के पत्तों की तरह?

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायकों के सत्ताधारी दल से संपर्क में होने की अटकलें लगातार लगाई जाती रही हैं। राज्यसभा या विधान परिषद चुनावों से लेकर अविश्वास प्रस्तावों तक, अक्सर राजद और उसके सहयोगी दलों के कुछ विधायक अनुपस्थित रहकर या पाला बदलकर इन चर्चाओं को हवा देते हैं। बीते दिनों अविश्वास प्रस्ताव के दौरान चेतन आनंद, प्रहलाद यादव और नीलम देवी की अनुपस्थिति ने सवाल खड़े किए थे, वहीं राज्यसभा चुनाव में राजद के फैसल रहमान और कांग्रेस के तीन विधायकों की गैरमौजूदगी ने इन अटकलों को पुख्ता कर दिया। अब फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधान पार्षद जीवन कुमार ने इन चर्चाओं को हवा देकर विपक्षी गुट में हलचल मचा दी है।

भाजपा राष्ट्रीयकांतों के निशाने पर कई राजद विधायक हैं। इसमें खाका विधानसभा सीट से राजद नेता फैसल रहमान का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है, जिन्होंने 2025 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के पवन कुमार जायसवाल को मामूली अंतर से हराया था। सूत्रों के अनुसार, फैसल राजद से नाराज चल रहे हैं और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के संपर्क में भी हैं। राज्यसभा चुनाव के दौरान उनकी एनडीए के प्रति वफादारी भी सार्वजनिक हो चुकी है, और माना जा रहा है कि वे सही समय का इंतजार में हैं। फैसल रहमान के साथ रहने वाले बिरनी के विधायक आसिफ अहमद के बारे में भी चर्चाएं हैं, जिन्होंने भाजपा के हरिभूषण ठाकुर को हराया था।

इसके अतिरिक्त, बारसोलगंज विधायक अनीता महतो (अनिता कुमारी) भी भाजपा के सॉफ्ट टारगेट में हैं। अनीता की शादी अशोक महतो नामक अपराधी से हुई है, जो हाल ही में जेल से बाहर आए हैं। मुख्यमंत्री चौधरी से उनकी मुलाकात के बाद से ही पाला बदलने की अटकलें तेज हैं। गोह के विधायक अमरेंद्र कुशवाहा को लेकर भी चर्चाएं हैं, हालांकि उनकी ओर से सीधा झुकाव अभी तक नहीं दिखा है। लेकिन बदलते राजनीतिक परिदृश्य में कुशवाहा राजनीति के टेढ़काल उनके रुख में बदलाव की संभावना से इंकार नहीं कर सकते है। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद से ही राजद विधायकों के एनडीए के संपर्क में रहने की खबरें आती रही हैं, जिन्हें समय-समय पर चिराग पासवान और रामकृपाल यादव जैसे नेताओं ने भी हवा दी है। राज्यसभा चुनाव में इसका एक ट्रेलर भी दिखा था। इस बार इन चर्चाओं को अधिक विश्वसनीय माना जा रहा है, क्योंकि देशभर में क्षेत्रीय दलों में टूट की एक लहर-सी चल पड़ी है। पश्चिम बंगाल में 15 साल से सत्ता पर काबिज रही तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) जिस तरह बिखरी है, या महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना में टूट के संकेत मिल रहे हैं, उससे राजद के बारे में चल रही अटकलों को और बल मिलता है। आम आदमी पार्टी के दो राज्यसभा सांसदों का भाजपा में जाना, फिर टीएमसी मेंटूट और अब शिवसेना (यूबीटी) में विभाजन के संकेतों को देखकर राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि बिहार में राजद में भी टूट होती है, तब यह कोई अजूबे की बात नहीं होगी। जानकार मानते हैं कि क्षेत्रीय दलों में पड़ रही यह दरार राजद के लिए

संक्षिप्त डायरी

राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण की सुप्रीम कोर्ट निगरानी में हो जांच हो: अवधेश प्रसाद

एजेंसी

अयोध्या। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितताओं के मामले में राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर गंभीर आरोप लगाते हुए इसकी जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में गठित स्वतंत्र समिति से कराए जाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी पर उन्हें भरोसा नहीं है, इसलिए निष्पक्ष जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी आवश्यक है। रविवार को शाने अवध होटल के सभागसार में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए राम मंदिर ट्रस्ट को तत्काल भंग किया जाए तथा उससे जुड़े सभी जिम्मेदार पदाधिकारियों को उनके पदों से हटाया जाए। उनका कहना था कि यदि संबंधित लोग अपने पदों पर बने रहते हैं तो जांच प्रभावित हो सकती है। सांसद ने इस मामले को सार्वजनिक करने का श्रेय समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को देते हुए कहा कि उन्होंने ही सोशल मीडिया के माध्यम से इस मुद्दे को उठाया और जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल ट्रस्ट या प्रदेश सरकार तक सीमित नहीं है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था और भगवान राम से जुड़ा विषय है। अवधेश प्रसाद ने दावा किया कि चढ़ावे की रकम को गोबर और घूर गड्ढों में छिपाए जाने जैसी सूचनाएं भी सामने आ रही हैं, जिनकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच होने पर ही पूरे प्रकरण की सच्चाई सामने आएगी और यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की जनता और रामभक्तों का विश्वास बनाए रखने के लिए इस मामले की पारदर्शी एवं निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

चढ़ावा प्रकरण में नहीं बचेंगे दोषी: विनय कटियार

एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर भाजपा नेता विनय कटियार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह गंभीर मामला है और इसकी सच्चाई सामने आनी चाहिए। विनय कटियार ने कहा, हड़प मंदिर के लिए लोगों ने बलिदान दिया है। हमारे जैसे लोग और कल्याण सिंह जैसे नेताओं को जेल जाना पड़ा था। उन्होंने इस्तीफा तक दिया था। तब जाकर मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। उन्होंने कहा, हम राम मंदिर जाएंगे और देखेंगे कि वहां क्या हुआ है। गोपालजी को वहां किसने भेजा, यह भी पता लगाया जाएगा। मैं बहुत दिनों बाद एक दिन वहां गया था। कटियार ने कहा, जितने लोग इसमें शामिल हैं, सब यहां से भाग जाएंगे। दो दिन में सब भाग जाएंगे अथवा जेल जाएंगे। क्या घोटाला हुआ है, यह सब पता चल जाएगा।

कबड्डी संघ के अध्यक्ष बने विकास सिंह, खेलों के विस्तार पर दिया जोर

एजेंसी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश कबड्डी संघ की वार्षिक बैठक रविवार को हाईवे स्थित त्रिमूर्ति होटल में आयोजित की गई। बैठक के दौरान संघ के चुनाव संपन्न हुए, जिसमें विकास सिंह को सर्वसम्मति से पुनरू उत्तर प्रदेश कबड्डी संघ का अध्यक्ष चुना गया। बृजेन्द्र प्रताप सिंह को महासचिव बनाया गया। बैठक में वर्ष 2026-27 के वार्षिक खेल कैलेंडर पर भी विस्तार से चर्चा की गई। चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारी स्टैंडिंग काउंसिल भारत सरकार श्रीनिवास राय की देखरेख में संपन्न हुई। इस दौरान पर्यवेक्षक के रूप में प्रदीप यादव, क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी अनिमेष सक्सेना तथा उत्तर प्रदेश ओलंपिक संघ के पर्यवेक्षक परमेंद्र सिंह उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष विकास सिंह ने कहा कि कबड्डी भारत की पारंपरिक और गौरवशाली खेल विरासत का प्रतीक है। संघ का प्रयास होगा कि प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में इस खेल को और अधिक बढ़ावा दिया जाए तथा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि आगामी खेल कैलेंडर के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच मिलेगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और जिलों से आए प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए खेल के विकास के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया। बैठक में विभिन्न जिलों के सचिव राकेश शर्मा, मो. अकरम, प्रभात पांडेय, कमलेश कुमार पांडेय, मंचा राय, शिवानंद सिंह, अजय शर्मा, आनंद नागर, बिहारी लाल, निशांत चौधरी, पुनीत तेवतिया, शिव सुंदर शुक्ला, रवि यादव सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दय रोगी को लगा टेक्निका प्लेज का इंजेक्शन बची जान

एजेंसी

अयोध्या। प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य विभाग को मजबूत बनाने की नियत से प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों मे हृदय रोगियों का जीवन सुरक्षित करने को लेकर सरकार ने गंभीर हृदय रोगियों के लिए त्वरित आराम लाने मे कारगर साबित बहुमूल्य इंजेक्शन जिसकी बाजार कीमत लगभग 50 हजार है. उसी इंजेक्शन को सरकार ने प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालो मे मरीजों के लिए निःशुल्क उपलब्ध करवा दिया है. जिसका सर्वाधिक लाभ आयोध्या जिला चिकित्सालय मे लगाया गया. वहीं जिला चिकित्सालय के प्रभारी ईएमओ डॉ आशीष पाठक ने बताया कि सरकार ने हृदय रोगियों के लिए प्राण दायक इंजेक्शन को उपलब्ध करवा कर सबसे बड़ी सौगात दी हैं. जिसका सीधा लाभ गरीब जनता को मिल रहा हैं. इसी क्रम मे रविवार को सुबह डियूटी पर रहें डॉ आशीष पाठक ने 75 वर्षीय रामा शंकर मिश्रा पुत्र विश्वनाथ मिश्रा निवासी रामपुर भगन थाना तारुन के हृदय के वाल मे ब्लाक होने के कारण उन्हें हृदयघात हुई जिसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल मरीज को टैनेकेटा प्लेज का इंजेक्शन दिया गया जिसके लगते ही मरीज को त्वरित आराम मिल गया और उसे घर्तो कर लिया गया. डॉ पाठक ने बताया कि सेटमी यूनिट केयर के तहत लगने वाले इंजेक्शन के लिए सबसे पहले ईएमओ को तत्काल आर एम एल के हृदय रोग विभाग के विशेषज्ञय से सलाह लेते हुए इंजेक्शन कि डोज लगाई जाती जिसके लगते ही मरीज करीब तीन से चार घंटो के भीतर दोबारा अटेक नहीं आता और उसे हायर सेंटर तक ले जाया जा सकता हैं. वहीं इंजेक्शन उपलब्ध कराने मे डियूटी पर तैनात फरमासिस्ट उपेंद्र मणि त्रिपाठी का विशेष सहयोग रहा।

भूजल बना बाधा, बदलनी पड़ी डिजाइन, एयरपोर्ट रनवे विस्तार में होगी देरी; 100 करोड़ बढ़ा खर्च

एजेंसी

वाराणसी। एयरपोर्ट रनवे विस्तार में देरी होगी। इसकी वजह है टनल के निर्माण में तकनीकी बाधा। भूजल स्तर अपेक्षा से अधिक मिलने के कारण टनल की मूल डिजाइन बदलनी पड़ी। ऐसे में विस्तार कार्य में देरी होने के कारण 100 करोड़ रुपये खर्च भी बढ़ गया। वाराणसी एयरपोर्ट के रनवे विस्तार कार्य के तहत टनल के निर्माण में तकनीकी बाधाओं के कारण देरी हो रही है। भूजल स्तर अपेक्षा से अधिक मिलने के कारण टनल की मूल डिजाइन बदलनी पड़ी। इससे निर्माण अवधि बढ़ने के साथ-साथ परियोजना की लागत में भी करीब 100 करोड़ रुपये की वृद्धि हो गई है। रनवे विस्तार परियोजना के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग के नीचे टनल का निर्माण किया जा रहा है। प्रारंभिक योजना

के अनुसार टनल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा वर्ष 2026 के अंत तक एयरपोर्ट अथॉरिटी को सौंपा जाना था, ताकि रनवे विस्तार का कार्य तेजी से आगे बढ़ सके। लेकिन खोदाई के दौरान लगातार पानी आने और भूजल स्तर अधिक मिलने से निर्माण कार्य प्रभावित हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की टीम ने स्थल का निरीक्षण किया। रुड़की से आए विशेषज्ञों की रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि पुरानी डिजाइन के अनुसार निर्माण करने पर टनल की मजबूती प्रभावित हो सकती है। इसके बाद सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखते हुए पूरी डिजाइन में संशोधन किया गया। नई डिजाइन तैयार करने, इंजीनियरिंग अध्ययन और अतिरिक्त निर्माण कार्यों के कारण परियोजना की लागत में लगभग 100 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। अधिकारियों के अनुसार यह अतिरिक्त खर्च टनल को अधिक मजबूत, सुरक्षित और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए किया जा रहा है। टनल निर्माण कार्य मार्च 2027 तक पूरा होने की संभावना है। 350 एकड़ भूमि मिलने से अन्य कार्यों को मिली रफ्तार एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट विस्तार परियोजना के लिए राज्य सरकार द्वारा 350 एकड़ भूमि अधिग्रहण को मंजूरी मिलने के बाद विस्तारीकरण से जुड़े कई अन्य कार्यों में तेजी आई है। भूमि उपलब्ध होने से काम कराने में सहूलियत हुई है। नया टर्मिनल, मल्टीलेवल पार्किंग और बढ़ी क्षमता एयरपोर्ट विस्तार परियोजना के तहत नए अत्याधुनिक टर्मिनल भवन, मल्टीलेवल कार पार्किंग, रनवे विस्तार, टनल निर्माण और अन्य यात्री सुविधाओं के विकास का कार्य किया जा रहा है। परियोजना पूरी होने के बाद वाराणसी एयरपोर्ट की यात्री और विमान संचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। अधिकारी बोले टनल निर्माण के दौरान भूजल स्तर अधिक मिलने से तकनीकी चुनौतियां सामने आईं, जिसके चलते डिजाइन में बदलाव करना पड़ा। सुरक्षा और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्माण कार्य किया जा रहा है। सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय के साथ काम कर रही हैं और परियोजना को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। -पुनीत गुप्ता, एयरपोर्ट निदेशक टनल निर्माण स्थल पर वाटर लेवल बहुत ऊपर है। इस कारण काम में बाधा आ रही थी। हालांकि, दोबारा काम शुरू होने के बाद से कोई समस्या नहीं है।

प्रयागराज में सभी क्षेत्रों में तेजी के साथ विकास हुआ- जल शक्ति मंत्री प्रभारी मंत्री ने प्रबुद्धजनों के साथ किया संवाद

एजेंसी

प्रयागराज। प्रभारी मंत्री, जनपद प्रयागराज एवं मंत्री, जल शक्ति विभाग, उत्तर प्रदेश स्वतंत्र देव सिंह के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सर्किट हाउस के सभागार में प्रबुद्धजनों के साथ संवाद कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने जनपद में कराये गये कार्यों के बारे में पॉवर प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रबुद्धजनों के द्वारा कहा गया कि जनपद प्रयागराज में सभी क्षेत्रों में तेजी के साथ विकास हुआ है। इस अवसर पर प्रबुद्धजनों के द्वारा जनपद प्रयागराज के विकास के लिए आवश्यक अन्य कार्यों के बारे में अपने-अपने सुझाव दिए। इस अवसर पर सुरेश गुप्ता के द्वारा जल संचयन के बारे में सुझाव दिया। प्रभारी मंत्री ने बताया कि जल संचयन के लिए व्यापक स्तर पर कार्यक्रम चलाये जा रहे है। इस अवसर पर सेवा निवृत्त आईएएस अर एस वर्मा के द्वारा प्रयागराज में एम्स की स्थापना के बारे में सुझाव दिए गए। उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड, गरीबों के इलाज में बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहा है।

ठेकेदार की लापरवाही के कारण श्रमिक की मौत, मचा कोहराम आवश्यक विधिक कार्रवाई एवं मुआवजा दिलाए जाने के लिए थाना खुल्दाबाद मे ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज

एजेंसी

प्रयागराज। बीती 9 जून को काम के दौरान हुई मजदूर की मौत पर परिजनों ने आवश्यक विधिक कार्रवाई एवं मुआवजा दिलाए जाने के लिए मांग की है। इस बाबत खुल्दाबाद थाना में ठेकेदार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है। अजय कुमार विश्वकर्मा पुत्र राम दयाल विश्वकर्मा, निवासी भोपतपुर तारापुर करेहदा उपरहार, थाना एयरपोर्ट ने खुल्दाबाद थाने में दी गई तहरीर के अनुसार बीती 09 जून को अजय का छोटा भाई विनय कुमार विश्वकर्मा पुत्र राम दयाल विश्वकर्मा, उम्र लगभग 35 वर्ष, जो सटरिंग मिस्त्री का कार्य करता था, प्रतिदिन की भांति अपने कार्य पर गया था। वह ठेकेदार असगर खान के साथ चकिया स्थित निमार्णाधीन साइट पर कार्य कर रहा था, जो थाना

खुल्दाबाद क्षेत्र के अंतर्गत आती है। 9 जून को ही लगभग शाम 4 बजे मृतक के साथ कार्य कर रहे अन्य श्रमिकों द्वारा परिवार को सूचना दी गई कि कार्यस्थल पर दुर्घटना हो गई है तथा विनय कुमार विश्वकर्मा को उपचार हेतु कॉल्विन अस्पताल ले जाया गया है। सूचना प्राप्त होते ही अजय एवं अन्य परिजन तत्काल अस्पताल पहुंचे,जहां ज्ञात हुआ कि विनय कुमार विश्वकर्मा की मृत्यु हो चुकी है। अजय का आरोप है कि उक्त दुर्घटना कार्यस्थल पर ठेकेदार एवं संबंधित व्यक्तियों की घोर लापरवाही के कारण हुई है। निर्माण स्थल पर बिजली के तारों एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं में गंभीर लापरवाही बरती गई थी, जिसके कारण यह दुखद घटना घटित हुई। यदि आवश्यक सुरक्षा उपाय किए गए होते तो अजय के भाई की जान बच सकती थी। मृतक विनय कुमार विश्वकर्मा अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था। उसके पीछे उसकी पत्नी एवं लगभग 2 वर्ष की एक पुत्री है, एवं माता पिता भी साथ रहते है, जिनका भरण-पोषण अब अत्यंत कठिन हो गया है। परिवार आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर है। परिवार ने प्रशासन से पत्र के जरिये निवेदन किया है कि उक्त घटना की निष्पक्ष एवं गहन जांच कराकर दोषी ठेकेदार एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित परिवार को शासन एवं श्रम कानूनों के अंतर्गत देय उचित मुआवजा एवं अन्य आर्थिक सहायता दिलाने की कृपा की जाए।

बेहोश होने तक युवक को पीटा, मरा समझकर छोड़ा; पहचान छिपाने के लिए कपड़े उतारे; तीन आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले की पुलिस ने अधमरा मिले युवक के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि युवक को पिटाई करके उसके कपड़े उतारकर फेंक दिए थे और उसे मृत समझकर छोड़ दिया था। आजमगढ़ जिले के पवई थाना क्षेत्र में एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर उसे मृत समझकर छोड़ देने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने युवक को इतना पीटा कि वह बेहोश हो गया और उसकी पहचान छिपाने के लिए कपड़े उतारकर फेंक दिए। घटना 7 जून की रात को हुई थी, जिसके बाद युवक अचेत अवस्था में मिला था। क्या है पूरा मामला पुलिस के अनुसार, 8 जून को चौकिया गांव निवासी सुशीला देवी ने अपने पुत्र के लापता होने की तहरीर दी थी। अगले दिन सुबह युवक गांव के बाहर टयूबवेल के पास खड़ंजा मार्ग किनारे अचेत मिला। उसके सिर, चेहरे और गले पर गंभीर चोटों के निशान थे। इस मामले में थाना पवई पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना के

दौरान पुलिस ने घटना में शामिल तीन युवकों की पहचान की। सोमवार सुबह निरीक्षक अपराध शंभूनाथ यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में हर्ष सिंह निवासी लाएपुर गौहर, पवई, ओम सिंह निवासी अमृपुर कला, शाहगंज जौनपुर और संक्षम सिंह निवासी छबड़ा, शाहगंज जौनपुर शामिल हैं। अपराध निरीक्षक शंभू नाथ यादव ने बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि घटना की रात वे मोटरसाइकिल से जा रहे थे। चौकिया गांव के पास एक युवक नशे की हालत में सड़क के बीच खड़ा था। हॉर्न देने के बावजूद वह रास्ते से नहीं हटा, जिससे विवाद बढ़ गया। इसके बाद तीनों ने मिलकर युवक की लात-घूंसों, जूतों और चप्पलों से जमकर पिटाई की। पिटाई इतनी भीषण थी कि युवक बेहोश हो गया। मारपीट के बाद युवक बेहोश हो गया, जिसे आरोपियों ने मृत समझ लिया। पहचान छिपाने के लिए उन्होंने उसके कपड़े उतारकर साथ ले लिए। बाद में उन कपड़ों को रास्ते में फेंक दिया गया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना से संबंधित पैंट, जूते और बेल्ट बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ थाना पवई में दर्ज प्राथमिकी में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस गंगापार जिला अध्यक्ष को किया हाउस अरेस्ट कार्यकताओं में भारी आक्रोश

एजेंसी

प्रयागराज। डेट निकोबार को बचाने के लिए कांग्रेस पार्टी (गंगापार) द्वारा चलाए जा रहे वृहद हस्ताक्षर अभियान से घबराई भाजपा सरकार ने दमनकारी नीति अपनाई है। इस अभियान को जनता से मिल रहे भारी जनसमर्थन और सफलता से बौखलाई योगी सरकार ने रविवार को कांग्रेस के जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद को उनके आवास पर हाउस अरेस्ट (नजरबंद) कर दिया है। कांग्रेस पार्टी ने तहसील, ब्लॉक और क्षेत्र के प्रमुख बाजारों में डेट निकोबार बचाओ हस्ताक्षर अभियान का विगुल फूंका था। इस अभियान में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और युवा हिस्सा ले रहे थे। जैसे ही जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद की नजरबंदी की खबर सोशल मीडिया पर वायरल हुई, कांग्रेस कार्यकताओं में उबाल आ गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में आक्रोशित कार्यकताओं का हुजूम सिकंदरा स्थित कांग्रेस कार्यालय पर जुटना शुरू हो गया। सिकंदरा कांग्रेस कार्यालय में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा किरवानमान

भाजपा सरकार पूरी तरह तानाशाही पर उतर आई है। जनता के मौलिक और संवैधानिक अधिकारों का सरेआम हनन किया जा रहा है। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी निशा सिंह, विशेष आमंत्रित सदस्य शरद उपाध्याय मुन्ना, डा.जगत नारायण सिंह, देवराज उपाध्याय, जिला महासचिव सुनील पाण्डेय, रमेश मौर्या, वारुम प्रभारी सद्दाम हुसैन सिद्दीकी, ब्लाक अध्यक्ष रितेश पासी, डा.अमर सिंह पटेल, प्रदीप पाण्डेय, मो. फारुक, सलीम टाइगर, श्यामजी धुरिया, शिवशरण मौर्या, पुष्पा चौधरी, गीता देवी, सितारा देवी, सुनीता देवी, मंजू देवी आदि लोग उपस्थित रहे।

मोदी के नेतृत्व में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए, कोई पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित नहीं रहेगा: स्वतंत्र देव सिंह

एजेंसी

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास, सुशासन और जनकल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं। इस दौरान लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और करोड़ों परिवारों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है। यह बातें रविवार को प्रयागराज के अल्लापुर संजय नगर मलीन बस्ती में आयोजित स्वच्छता अभियान में पहुंचे उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री एवं प्रयागराज के प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का स्पष्ट संकल्प है कि देश का कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर अल्लापुर स्थित संजय नगर मलिन बस्ती में आयोजित कार्यक्रम में स्वतंत्र देव सिंह ने स्वच्छता अभियान में भाग लेते हुए झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा योजनाओं से मिल रहे लाभों की जानकारी प्राप्त की। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जीवन संघर्ष और सेवा का प्रतीक है। एक साधारण परिवार से निकलकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुंचने वाले प्रधानमंत्री ने बिना अवकाश लिए 25 वर्षों से अधिक समय तक जनसेवा का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की नीतियां अस्पताल के दौर से गुजर रहा था, लेकिन आज भारत विश्व मंच पर मजबूत और आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान अब जन आंदोलन का रूप ले चुका है। लोगों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और पौधरोपण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उन्होंने बताया कि पिछले दो वर्षों में प्रयागराज जनपद में लगभग डेढ़ करोड़ पौधे लगाए गए हैं, जो अब वृक्ष बनकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पौधरोपण करने और पौधों की सुरक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया। मंत्री ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं ने गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम किसान सम्मान निधि, राशन, शौचालय और सामूहिक विवाह योजना जैसी योजनाओं से करोड़ों परिवार लाभान्वित हुए हैं। कार्यक्रम में डूडा द्वारा गठित स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को प्रशस्ति-पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को आवास की चाबियां एवं स्वीकृति पत्र, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र

तथा स्वच्छता मित्रों को सफाई किट वितरित की गई। इस अवसर पर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर उमेश चंद्र मणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन वाजपेयी, दीपक पटेल, गुरु प्रसाद मौर्य, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, प्रदेश मंत्री अनामिका चौधरी, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी 'बात हिन्दुस्तान की' (पाक्षिक) पेपर के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी, गार्डेन, शिवपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन नं.: 8902221434 से प्रकाशित एवं एल.एस पब्लिकेशन्स प्रा. लि.4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता -700015 से मुदित, सम्पादक- वैद्यनाथ झा, फोन-9798848926 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट - www.baathindustanki@gmail.com
(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan ki' Smt. Soni Kumari Jha, 223, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO_R.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from L.S. publication private limited.4 no, canel west road, Kolkata 700015, Editor: Baidyanath Jha Mo. 9798848926, Email/Website: www.baathindustanki@gmail.com